डॉट com
प्रतिदिन अखबार
www.pratidinakhabar.com
अमरावती, बुधवार, 20 जून 2018

Think - AIR CONDITIONER
Think - केडिया

क्विकर

होटेल में लगी आग, 4 की मौत

लखनऊ,एजेंसी, 19 जून- लखनऊ के चारबाग रेलवे स्टेशन से करीब 200 मीटर की दूरी पर स्थित होटेल विराट इंटरनैशनल में मंगलवार सुबह अचानक आग लग गई.आग के कारण चार लोगों की मौत हो गई. चारबाग आग के कारण कई लोग गंभीर रूप से घायल भी हुए. हादसे में 50 से अधिक लोगों को बचा लिया गया है. आग किस वजह से लगी, इसका पता नहीं चल पाया है.जिस वक्त यह घटना हुई, उस समय होटेल के सभी कर्मचारी और यहां ठहरे पर्यटक सो रहे थे. प्रत्यक्षदर्शियों ने कहा कि हादसा एक तेज धमाके के बाद हुआ था, लेकिन जब तक लोगों को कुछ समझ आता तब तक आग ने विकराल रूप ले लिया था.

कोर्ट में घुसकर जलाए दस्तावेज

भागलपुर,एजेंसी, 19 जून -जिले के नौगछिया व्यवहार न्यायालय में अज्ञात अपराधियों ने कई महत्वपूर्ण कागजात और फाइले जला डाली. इनमें अधिकतर कागजात न्यायिक कार्यों से जुड़े थे. पुलिस के अनुसार किसी विशेष मामले के रिकार्ड नष्ट करने की मंशा से अपराधियों इस वारदात को अंजाम दिया है.

तालाब में कार गिरी 6 बच्चों की मौत

अररिया,एजेंसी, 19 जून- बिहार के अररिया जिले में एक बड़ा हादसा हुआ है. यहां बच्चों को लेकर जा रही एक गाड़ी तालाब में गिर गई. इस हादसे में छह बच्चों की मौत हो गई तथा रेस्क्यू ऑपरेशन के दौरान एक को बचा लिया गया.यह दर्दनाक हादसा अररिया के ताराबाड़ी इलाके में हुआ. एक कार में कुछ बच्चे जा रहे थे. इसी दौरान कार ताराबाड़ी इलाके में स्थित एक तालाब में गिर गई. अभी यह साफ नहीं हो पाया है कि बच्चों की मौत पानी में डूबने से हुई है या कोई और वजह है.

लकी ड्रॉ से तय हुआ सांसदों का कार्यकाल

काठमांडू,एजेंसी, 19 जून -नेपाली संसद के ऊपरी सदन नैशनल असेंबली (राष्ट्रीय सभा) के सदस्यों के कार्यकाल को सोमवार लकी ड्रॉ से तय किया गया.साल 2015 में आए नए संविधान के मुताबिक कार्यकाल लकी ड्रॉ से ही तय किया जाएगा. यह कार्यकाल 2 साल से 6 साल के बीच होगा.नेपाल की संघीय संसद के ऊपरी सदन में कुल 59 सदस्य हैं. इनमें से 19 सदस्यों का कार्यकाल 2 साल का होगा, 20 सदस्यों का 4 साल का और बाकी सदस्यों का 6 साल का कार्यकाल होगा.

अयोध्या रामायण सर्किट को मंजूरी

लखनऊ,एजेंसी, 19 जून- राम मंदिर विवाद को सुलझाने का मामला भले ही सुप्रीम कोर्ट में चल रहा है, लेकिन उत्तर प्रदेश की योगी आदित्यनाथ सरकार ने अयोध्या में रामायण सर्किट के सपने को हकीकत में बदलने के लिए कमर कस ली है. मंगलवार को हुई कैबिनेट बैठक में अयोध्या में रामायण सर्किट बनाने को मंजूरी दे दी गई है.सरकार ने 133.30 करोड़ की इस योजना को मंजूरी दी है. रामायण सर्किट के प्रस्ताव को केंद्रीय संस्कृति मंत्री महेश शर्मा ने रखा था. लेकिन अखिलेश यादव के राज में इस पर कोई खास अमल नहीं हुआ था.

आडवाणी के करीबी सुधीन्द्र कुलकर्णी बोले-

मोदी नाकाम, राहुल बनें पीएम

प्रतिनिधि,19 जून

मुम्बई-भाजपा के वरिष्ठ नेता लालकृष्ण आडवाणी के पूर्व सहयोगी सुधींद्र कुलकर्णी ने कहा कि भारत को ऐसे नेता की जरूरत है जो कश्मीर मुद्दे जैसी बड़ी समस्याएं हल कर सके और इसलिए वह कांग्रेस प्रमुख राहुल गांधी को भविष्य के प्रधान मंत्री के रूप में देखना चाहेंगे. पाकिस्तान और चीन के साथ विवादों का विवाद पर उन्होंने कहा कि प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी बड़ी समस्याओं को हल करने में असफल रहे हैं.

मुम्बई में एक पैनल चर्चा में बोलते हुए कुलकर्णी ने गांधी की प्रशंसा की और कहा कि वह अच्छे दिल वाले नेता हैं.

ऑल इंडिया प्रोफेशनल कांग्रेस द्वारा आयोजित कार्यक्रम में उन्होंने कहा-हमें यह बताना होगा कि पाकिस्तान के साथ समस्या को हल करने के लिए क्या आवश्यक है. और यही कारण है कि मैंने सुझाव दिया कि मैं राहुल गांधी को भविष्य के प्रधान मंत्री के रूप में देखना चाहूंगा.

कुलकर्णी ने कहा, राहुल गांधी युवा हैं और वह आदर्शवादी हैं. वह करुणा वाले व्यक्ति हैं. हाल के दिनों में किसी भी राजनीतिक नेता ने प्रेम, स्नेह और करुणा की भाषा नहीं बोला था.

राहुल को सलाह

कुलकर्णी ने कहा कि गांधी को पाकिस्तान, चीन और बांग्लादेश जैसे पड़ोसी देशों का दौरा करना चाहिए और बड़ी समस्याओं को हल करने के लिए विचारों के साथ उभरना चाहिए. कुलकर्णी ने कहा-राजीव गांधी जब विपक्ष में थे ... वह अफगानिस्तान गए. इसी प्रकार, राहुल जी को पाकिस्तान, चीन, बांग्लादेश जाना चाहिए और बड़ी समस्याओं को हल करने के तरीके पर नए विचारों के साथ एक नेता के रूप में उभरना चाहिए जिसमें पीएम मोदी नाकाम रहे हैं.

अर्जुन सिंह की पत्नी ने...

बेटों पर ठोका मुकदमा

भोपाल,एजेंसी, 19 जून- मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अर्जुन सिंह की पत्नी सरोज सिंह ने अपने बेटों अजय सिंह और अभिमन्यु सिंह के खिलाफ अदालत में मामला दर्ज कराया है. सरोज सिंह ने अपने बेटों के खिलाफ घरेलू हिंसा के साथ-साथ संपत्ति से बेदखली का आरोप भी लगाया और भोपाल कोर्ट में मामला दायर किया. सरोज सिंह का कहना है कि उनके बेटों ने भरण-पोषण से इनकार करते हुए उन्हें ही घर से बेदखल कर दिया.इस मामले में 80 वर्षीय सरोज सिंह मंगलवार दोपहर 12 बजे एनआरआई उद्योगपति सैम वर्मा और बेटी वीणा सिंह के साथ कोर्ट पहुंची थीं.

कांग्रेस के दिग्गज नेता रहे अर्जुन सिंह ने मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री के अलावा केंद्र में कई अहम मंत्रालय की जिम्मेदारी निभाई. साल 2011 में निधन से पहले कांग्रेस में उनकी बड़ी पकड़ रही थी. उनके बेटे अजय सिंह एमपी कांग्रेस में चर्चित हस्ती हैं. ऐसे में सरोज सिंह की इस कदम ने हर किसी को चौंका दिया है.

अदालत में दायर शिकायत पत्र के मुताबिक, सरोज सिंह ने कहा कि मेरे बेटों ने मुझे ही मेरे निवास से बेदखल कर दिया और मेरा भरण-पोषण करने से इनकार कर दिया. इसी वजह से मुझे मजबूरी में अदालत की शरण लेनी पड़ी है.

शिकायती पत्र

सरोज सिंह का कहना है कि उनके पति अर्जुन सिंह ने कांग्रेस पार्टी में रहकर देश की सेवा की.उन्हीं के बेटे अजय ने सारे नियमों को ताक पर रखकर मुझे घर से बेदखल कर दिया.इस उम्र में मुझे अपना निवास छोड़कर कहीं और रहना पड़ रहा है. ऐसे में मैं अदालत से गुजारिश करती हूं कि मुझे मेरे घर में रहने की अनुमति दी जाए. उम्मीद है कि अदालत से मुझे जरूर इंसाफ मिलेगा.

मोदी ने राहुल को जन्मदिन पर दी बधाई

दिल्ली,एजेंसी, 19 जून- कांग्रेस अध्यक्ष राहुल गांधी मंगलवार, 19 जून को 48 साल के हो गए. खास बात यह है कि कांग्रेस अध्यक्ष बनने के बाद यह उनका पहला जन्मदिन है. उन्हें सुबह से ही ढेरों बधाई संदेश मिल रहे हैं. दिल्ली में पार्टी मुख्यालय पर कांग्रेस समर्थकों ने जश्न भी मनाया. इस बीच, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी सुबह ट्वीटकर कांग्रेस अध्यक्ष को जन्मदिन की बधाई दी.पीएम ने ट्वीट कर कहा-कांग्रेस अध्यक्ष राहुल गांधी को जन्मदिन की शुभकामनाएं. मैं उनके लंबे और स्वस्थ जीवन की कामना करता हूं. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और कांग्रेस अध्यक्ष राहुल गांधी ने पिछले कुछ महीनों के दौरान एक दूसरे पर काफी तीखे हमले किए.हाल में हुए विधानसभा चुनावों के दौरान दोनों ही नेता एक-दूसरे पर हमले का कोई मौका नहीं चूके.

जिला जाति प्रमाणपत्र जांच समिति का निर्णय

बेटी को मिली मां की जाति

प्रतिनिधि, 19 जून

अहमदनगर- बेटी का पालन-पोषण कर रही मां को कीमत देते हुए स्थानीय जिला जाति प्रमाणपत्र जांच समिति ने बेटी को मां की जात बहाल करने का ऐतिहासिक निर्णय लिया है. समिति के इस निर्णय से तलाकशुदा, परित्यक्ता महिलाओं के बच्चों को मां की जात मिलने का रास्ता आसान हो गया है.जन्म से ही नवजात शिशु को पिता की जात मिल जाती है, लेकिन इससे हटकर नगर में एक लड़की को इसकी मां की जात बहाल करने का निर्णय लिया गया. जिले के कर्जत तहसील के एक गांव में अन्य पिछड़े प्रवर्ग की महिला का अंतर्जातीय विवाह खुले प्रवर्ग वाले एक युवक से हुआ. दोनों को एक बेटी भी हुई, लेकिन फिर दोनों अलग हो गये. महिला बेटी को लेकर मायके में रहने लगी. जन्म के बाद से ही वह बेटी का पालन-पोषण करती रही. इसके कारण शाला में भर्ती के समय लड़की के नाम के सामने महिला ने अपना नाम लगाया. साथ ही बेटी को अन्य पिछड़ा वर्ग जाति का प्रमाणपत्र दिये जाने के लिये कर्जत के उपविभागीय अधिकारी के पास आवेदन किया. इसके लिये महिला ने अपनी मां-पिता, खून के रिश्तेदारों के सबूत दिये. लेकिन उप-विभागी अधिकारी ने यह कहकर आवेदन नकार दिया कि आवेदक ने सिर्फ मां का नाम दिया है, पिता का नाम नहीं.आवेदन नकारे जाने के बाद महिला ने जिला जाति प्रमाणपत्र जांच समिति के पास अपील की. समिति अध्यक्ष पी.टी. वायचल, सदस्य एस.आर. दाणे और सदस्य सचिव एस.एन. डावखर के सामने इस मामले की सुनवाई हुई. समिति ने दक्षता पथक के उप-पुलिस अधीक्षक के मार्फत जांच करायी. जांच में सामने आया कि महिला ने पति से तलाक लिया है और बेटी के जन्म से ही वह उसका पालन-पोषण करती आ रही है. इसके बाद समिति ने बेटी को पिता की जगह मां का नाम लगाए जाने का ऐतिहासिक निर्णय दिया. साथ ही बेटी को अन्य पिछड़े प्रवर्ग जाति का प्रमाणपत्र दिये जाने का आदेश दिया गया है.

कर्नाटक में अनोखी विदाई

जेसीबी में दुल्हन को लाया

पुत्तूरः जेसीबी में बैठे चेतन और ममता.

पुत्तूर,एजेंसी, 19 जून- कर्नाटक के पुत्तूर में सोमवार को एक अनोखी बारात देखने को मिली. यहां एक दूल्हा अपनी दुल्हन को डोली, घोड़ी या किसी कार में नहीं बल्कि जेसीबी मशीन में बिठाकर विदा करके लाया. इस अनोखी विदाई को देखने के लिए लोगों की भीड़ जमा हुई.संतयार गांव का चेतन जेसीबी मशीन चलाता है. उसकी शादी ममता से होनी थी. सोमवार को उनका शादी का आयोजन पुत्तूल के परपुंजा तालुक में किया गया था. चेतन के लिए जेसीबी मशीन का प्यार कम नहीं हुआ.

उसने फैसला लिया कि वह जेसीबी मशीन में ही अपनी दुल्हन को विदा कराकर लाएगा. मंगलवार को बारात लेकर शादी समारोह स्थल पर पहुंचा. यहां शादी की सारी रस्में पूरी करने के बाद चेतन ने ममता को जेसीबी मशीन में विदा कराया. विदाई के बाद ममता को जेसीबी मशीन के बकेट (जहां से जेसीबी मशीन खोदाई का काम करती है) में बिठाया गया.विदाई के लिए जेसीबी मशीन को फूलों से सजाया गया था. दोनों जेसीबी मशीन में बैठकर विदा हुए. पहले जेसीबी मशीन खुद दूल्हा चला रहा था लेकिन बाद में संतयार पहुंचने के बाद उसने अपने मित्र को जेसीबी चलाने को कहा. यहां पर नवविवाहित जोड़ा जेसीबी मशीन के बकेट में बैठ गया.

नवजात की मौत : पैसे न देने पर निकाल दिया ऑक्सीजन पाइप

बहराइच-बहराइच जिले के महिला अस्पताल में नवजात की मौत उपचार के लिए एक हजार रुपये न देने पर स्वास्थ्यकर्मियों द्वारा ऑक्सिजन पाइप निकाल देने से हुई. रानीपुर थाना क्षेत्र के गोबरहा गांव निवासी लल्लू ने अपनी पत्नी रेशमा को सोमवार सुबह प्रसव पीड़ा होने पर जिला महिला अस्पताल में भर्ती कराया था. पत्नी ने एक बेटे को जन्म दिया.जन्म के बाद बच्चे को आईसीयू में रखा गया. नवजात के पिता लल्लू का आरोप है कि प्रसव के बाद ड्यूटी पर तैनात डॉक्टर ने एक हजार रुपये मांगे. उनके पास पैसे नहीं थे,जिसकी वजह से उन्होंने अपनी क्षमता के मुताबिक दो सौ रुपये दिए लेकिन वह नहीं माने. पिता का आरोप है कि रुपये न देने पर नर्स ने नवजात को लगा ऑक्सिजन पाइप निकाल दिया और उनसे कागज पर बच्चे की स्थिति गंभीर की बात लिखवा ली.

कश्मीर में महबूबा-भाजपा का ब्रेकअप

वादे नहीं निभा पाई पीडीपी

राम माधव ने बताई 10 वजह

दिल्ली,एजेंसी, 19 जून- भारतीय जनता पार्टी ने मंगलवार को जम्मू-कश्मीर में पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) से गठबंधन तोड़ने और महबूबा मुफ्ती सरकार ने समर्थन वापसी का ऐलान किया. इस बात की घोषणा दिल्ली में पार्टी के महामंत्री राम माधव ने की.उन्होने गठबंधन और सरकार से अलग होने के लिए 10 बड़ी वजहे गिनाईं.

1. राज्य में आतंकवाद, हिंसा और कट्टरपंथ काफी बढ़ता जा रहा था और लोगों के मौलिक अधिकार खतरे में पड़ने लगे थे.

2. सरकार की कानून-व्वस्था पर से पकड़ कमजोर हो रही थी. पत्रकार शुजात बुखारी की हत्या इसका एक उदाहरण है.

3. कश्मीर में शांति और विकास की गति तेज करने के उद्देश्य से हम पीडीपी के साथ गए थे, पर ऐसा नहीं हुआ.

4. पीडीपी लोगों के किए गए वादों को पूरे करने विफल रही.

5. हमारे नेताओं को जम्मू और लद्दाख के विकास कार्यों के लिए काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ा.

6. गठबंधन सरकार का नेतृत्व कर रही पीडीपी स्थिति को नियंत्रित करने में नाकाम रही.

7. मोदी सरकार ने राज्य के विकास के लिए बहुत कुछ किया पर यहां की सरकार अपना योगदान सही तरीके से नहीं दे सकी.

8. मोदी, पार्टी अध्यक्ष अमित शाह की सलाह के बाद लिया गया गठबंधन और सरकार से अलग होने का फैसला.

9. कश्मीर भारत का अभिन्न हिस्सा है, इस बात को ध्यान में रखते हुए और राज्य में मौजूदा स्थिति को नियंत्रण में लाने के लिए हमने फैसला किया कि राज्य में शासन की बागडोर राज्यपाल को सौंपी जाए.

10. सभी पक्षों से बातचीत करने के लिए वातार्कार की नियुक्ति भी की. राज्य सरकार ने जैसी मांग की केंद्र सरकार ने वैसा किया पर स्थिति में बदलाव नहीं आया.

> माधव ने कहा-हमें लोगों के जनादेश का सम्मान करना था. अगर हम उस वक्त सरकार नहीं बनाते तो राज्य में राज्यपाल या राष्ट्रपति शासन लग जाता. लोगों के जनादेश की वजह से ही हम ने उनके साथ गठबंधन किया.

सीएम महबूबा ने दिया इस्तीफा

अब बड़ी चुनौती से केंद्र का सामना

श्रीनगर,एजेंसी, 19 जून- भाजपा के गठबंधन से अगल होने और सरकार से समर्थन वापस लेने के बाद कश्मीर की मुख्यमंत्री महबूबा मुफ्ती ने मंगलवार को अपना इस्तीफा राज्यपाल एन.एन. वोहरा को सौंप दिया.महबूबा ने चार अप्रैल 2016 को मुख्यमंत्री पद की शपथ ली थी.भाजपा की समर्थन वापसी के बाद महबूबा महबूबा की पीडीपी के लिए हालात आसान नहीं होंगे. आखिर दक्षिण कश्मीर के अनंतनाग, गुलमर्ग जैसे जो इलाके पीडीपी के समर्थन का आधार रहे हैं और जहां महबूबा ने नब्बे के दशक के आतंकवाद के हिंसक दौर में काफी काम किया था, वही इलाका अब फिर दहक रहा है.लेकिन महबूबा और पीडीपी से अधिक बड़ी चुनौती केंद्र सरकार के सामने हैं.

डोभाल की सलाह पर फैसला

श्रीनगर,एजेंसी, 19 जून- कश्मीर में समर्थन वापासी का फैसला लेने से पहले भाजपा अध्यक्ष अमित शाह ने राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल से भेंट की. इसके पहले मोदी-शाह कश्मीर के विधायकों से मिले थे.केंद्रीय गृह मंत्री राजनाथ सिंह ने भी हालात पर अपनी चिंताएं जाहिर की हैं. दरअसल अभी तक राज्य में एक निर्वाचित सरकार थी और पीडीपी से घाटी में चाहे जितनी नाराजगी हो, केंद्र सरकार के लिए वह एक ढाल की तरह थी. अब राष्ट्रपति शासन को केंद्र पर ही पूरी जवाबदेही आ जाएगी.बताया जा रहा है कि डोभाल की सलाह पर ही भाजपा ने गठबंधन तोड़ने का फैसला किया है. केंद्र को अपने देश में ही नहीं, विदेशी मंचों पर भी ज्यादा जवाबदेह होना होगा और संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार रिपोर्ट कोई संकेत है तो यही कि कश्मीर के मामले में विदेश मंचों पर भी माहौल भारत के बहुत अनुकूल नहीं हैं.भारत ने इसका पुरजोर खंडन किया है और रिपोर्ट को एकतरफा भी बताया जा सकता है लेकिन कश्मीर में आतंकी घटनाओं और अशांति में पाकिस्तान की भूमिका के लिए उसे अलग-थलग करने के लिए नए सिरे से कोशिश करनी पड़ सकती है.शाह को डोभाल ने समझाया कि केंद्र को घाटी में हालात काबू करने के लिए भी कुछ कदम उठाने पड़ेंगे क्योंकि अभी तक उसकी सख्त और पुलिस-फौज केंद्रीत नीति से हालात ऐसे मुकाम पर पहुंच गए हैं, जहां से वापसी मुश्किल दिखती है.बेशक, चुनौती कड़ी है और चुनावी साल में यह भाजपा और केंद्र सरकार के लिए चुनौती बन सकती है.संभाव है,भाजपा ने खासकर जम्मू में लोगों की नाराजगी दूर करने के लिए भी यह कदम उठाया हो.

राज्यपाल से मिले उमर, कहा-

हमारा किसी को समर्थन नहीं

श्रीनगर,एजेंसी, 19 जून- कश्मीर की पीडीपी-भाजपा गठबंधन सरकार से भाजपा के समर्थन वापस लेने के बाद नेशनल कांफ्रेंस के नेता उमर अब्दुल्ला ने राज्यपाल एन.एन. वोरा से मुलाकात की है. राज्यपाल से मुलाकात के बाद पूर्व मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने पत्रकारों से कहा कि राज्य में सरकार बनाने के लिए नेशनल कॉन्फ्रेंस किसी के साथ नहीं जाएगी. पीडीपी-भाजपा का नाता टूटने पर प्रतिक्रिया देते हुए उन्होंने कहा कि इसमें कुछ भी आश्चर्यजनक नहीं है. उन्हें साल के आखिर में ऐसा होने की उम्मीद थी, यह कुछ पहले ही हो गया है. अब्दुल्ला ने जल्द से जल्द चुनाव कराने की मांग करते यह भी कह कि गवर्नर रूल लम्बा नहीं चलना चाहिए. उमर ने कहा- मैंने गवर्नर को यह सारी बाते बता दि है. साथ ही गुजारिश भी की कि स्टेट में ज्यादा समय तक राज्यपाल शासन न हो, लोगों को उनके द्वारा चुनी गई सरकार के साथ आगे बढ़ने का मौका मिलना चाहिए.

भाजपा-पीडीपी गठबंधन टूटने से....

शिवसेना हुई खुश

प्रतिनिधि,19 जून

मुम्बई-शिवसेना ने जम्मू-कश्मीर में पीडीपी (पीपल्स डेमोक्रैटिक पार्टी) के साथ भाजपा के गठबंधन तोड़ने के फैसले पर निशाना साधा है. शिवसेना ने कहा कि उसे पहले से यकीन था कि यह ज्यादा दिन नहीं चलेगा. पार्टी ने गठबंधन को राष्ट्र विरोधी करार दिया. शिवसेना के प्रवक्ता और राज्यसभा सांसद संजय राऊत ने मीडिया से बातचीत में कहा कि भाजपा-पीडीपी के अपवित्र गठबंधन को लेकर हमने पहले ही कह दिया था कि यह ज्यादा दिनों तक नहीं चलेगा. यह ऐंटी नैशनल गठबंधन था. राऊत ने कहा- शिवसेना ने इससे पहले भी जम्मू-कश्मीर की नीति को लेकर केंद्र सरकार पर हमला बोला था. पार्टी ने रक्षा मंत्री निर्मला सीतारमण को अब तक की सबसे कमजोर रक्षामंत्री बताया था. वहीं, सीजफायर के फैसले पर भी सवाल उठाए गए थे.

बढ़ता ही जा रहा है 'कड़कनाथ' का कुनबा

औषधीय गुण और प्रोटीन की खान है यह मुर्गा

प्रतिनिधि, 19 जून

इंदौर- न केवल मध्यप्रदेश बल्कि पश्चिम महाराष्ट्र, विदर्भ और छत्तीसगढ़ में भी 'कड़कनाथ' का कुनबा बढ़ता जा रहा है. नागपुर और इसके आसपास के इलाकों के कई फॉर्म हाउस में यह मुर्गा आसानी से उपलब्ध हो रहा है. शुरूआत में 1200 रुपये प्रति किलो के हिसाब से बिका कड़कनाथ अब 500 रुपये किलो तक मिलने लगा है. औषधीय गुण और प्रोटीन की खान कहे जाने वाला मुर्गा कड़कनाथ के जीआई टैग को लेकर भले ही मध्यप्रदेश और छत्तीसगढ़ के बीच रार छिड़ी हो, लेकिन पंत विश्वविद्यालय इसके संवर्धन में जुटा हुआ है, जिसकी कोशिश है कि कड़कनाथ के औषधीय गुणों का लाभ देशभर के लोग ले सकें. इसके लिये योजनाएं भी बनायी जा रही हैं. दरअसल, मध्यप्रदेश के झाबुआ जिले में कड़कनाथ भारतीय मुर्गे की एक खास प्रजाति है. इसे भील और भिलाला जनजातियों के लोग पालते आ रहे हैं, और अब यह देशभर में एक चर्चित प्रजाति के रूप में जाना जा रहा है. इसका मांस 800 से 1000 रुपये/किलोग्राम और एक अंडा 10-15 रुपये में बिक रहा है. इससे इसकी मांग ग्रामीण क्षेत्रों में भी पालन के लिहाज से बढ़ी है. इन सारी बातों के बीच गोविंद वल्लभपंत कृषि विश्वविद्यालय के शैक्षणिक कुक्कुट फॉर्म में इसके संरक्षण और संवर्धन का काम किया जा रहा है. फॉर्म के सह निदेशक डॉ. अनिल यादव और सहायक निदेशक डॉ. राजीव रंजन ने बताया कि कड़कनाथ के मांस में मिलेनिन नाम के पिगमेंट की अधिकता से इसके मांस का रंग काला होता है. इसी कारण इसे ब्लैक चिकन या कालामासी के नाम से भी जाना जाता है. कड़कनाथ की चोंच, कलगी, पैर, पंजे और पंख के साथ-साथ इसके खून का रंग भी काला होता है. वर्तमान में पंत विश्वविद्यालय के फार्म में विभिन्न आयुवर्ग के लगभग डेढ़ हजार कड़कनाथ मुर्गी और मुर्गे हैं. आठ हजार चूजों को पाला जा रहा है.

भारत ने मालदीव के खिलाफ वोट किया

दिल्ली-संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की अस्थायी सीट के लिए हाल में हुए चुनाव में क्या भारत ने मालदीव के खिलाफ वोट कर इंडोनेशिया को जीतवाया.भारत ने न केवल इंडोनेशिया के पक्ष में वोट किया बल्कि यह सुनिश्चित भी किया कि हिंद महासागर में उसके पड़ोसी मालदीव का चुनाव में प्रदर्शन फीका रहे. मालदीव को केवल 46 देशों का समर्थन मिला जबकि इंडोनेशिया को 144 देशों का साथ मिला. विस्तृत जानकारी से पता चलता है कि भारत ने न सिर्फ मालदीव के खिलाफ वोट किया बल्कि यह सुनिश्चित किया.